हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 44 : | जौनपुर, मंगलवार 07 नवम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

लूट, भ्रष्टाचार और परिवारवाद का पर्याय है कांग्रेस पार्टी, छत्तीसगढ़ में बघेल सरकार पर बरसे जेपी नड्डा

एजेन्सी

जशपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां सोमवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि यह पार्टी लूट, अत्याचार, भ्रष्टाचार और परिवारवाद का पर्याय है। छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि राज्य में भूपेश बघेल सरकार लूट और धोखे की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, भारत 2027–28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का मतलब–लूट, भ्रष्टाचार, अत्याचार, धोखा, विनाशकारी नीति, परिवारवाद और वंशवाद है। जहां भी कांग्रेस होगी, वहां भ्रष्टाचार होगा।श्श अपनी पार्टी की सराहना करते हुए नड्डा ने कहा, भाजपा का मतलब विकास, संवृद्धि और लोगों का कल्याण है। नड्डा ने कहा, हमें आपकी परवाह है, लेकिन उन्हें भ्रष्टाचार और लूट की परवाह है...आपको पनडुब्बी घोटाला, हेलीकॉप्टर घोटाला, कोयला घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, मनरेगा घोटाला याद होगा। उन्होंने राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा, भूपेश बघेल की सरकार धोखा और भ्रष्टाचार की गारंटी है। राज्य में शराब घोटाला, डीएमएफ घोटाला, शिक्षक स्थानांतरण घोटाला, चावल घोटाला और गौठान घोटाला हुआ।श्श नड्डा ने आरोप लगाया, मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी पिछले डेढ़ साल से जेल में हैं। उन्होंने महादेव (भगवान शिव) के नाम को भी नहीं बख्शा और महादेव सट्टेबाजी ऐप के जरिए घोटाला किया। सत्ता में आने के लिए श्सट्टेश (सट्टेबाजी) का घोटाला किया गया। उन्होंने कहा कि असीम दास ने जांच एजेंसी को पूछताछ में बताया कि वह चुनाव में भूपेश बघेल को देने के लिए दुबई से पैसे लेकर आया था। नड्डा ने लोगों से पूछा कि यह धोखेबाज और लूट की सरकार है या नहीं, लोगों ने इसका 'हांश में जवाब दिया।उन्होंने कहा, श्शदूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। देश दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भाजपा नेता ने कहा, 2024 (लोकसभा चुनाव) में जब आप हमें चुनेंगे तो उसके बाद देश 2027–28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पत्थलगांव उन 70 विधानसभा क्षेत्रों में शामिल है, जहां दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा। राज्य की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। मंगलवार को 20 सीट पर पहले चरण में मतदान होगा।

अमित शाह के जातीय सर्वेक्षण के आरोप पर तेजस्वी का पलटवार

एजेन्सी

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार के जातीय सर्वेक्षण पर गड़बड़ी के आरोपो को नकारते हुए उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि आखिर किस आधार पर वे आरोप लगा रहे हैं। ये लोग अकबका गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री के इस्तीफे मांगने पर भी भाजपा को आड़े हाथों लिया। तेजस्वी ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि गृह मंत्री को बताना चाहिए कि वे किस आधार पर बोल रहे हैं कि जातीय गणना में संख्या बढ़ाई या घटाई गई है। बिहार सरकार के पास तो साइंटिफिक आकड़ा है, उनके पास कौन सा आंकड़ा है। सिर्फ अनुमान लगाने से कुछ नहीं होता है। ये सब बेकार की बातें हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुर्मी समाज से आते हैं, तो कुर्मी की संख्या नहीं बढ़ा दी गई होती। उन्होंने कहा कि अमित शाह को बोलना क्या था और बोलकर क्या गए। वो आ रहे हैं, हम लोगों को ही फायदा पहुंचाने। धन्य हो अमित शाह बार–बार आते रहें। दरअसल, अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर की एक रैली में कहा था कि नीतीश सरकार ने जातीय सर्वे में लालू प्रसाद के दबाव में यादवों और मुसलमानों की संख्या जान–बूझकर बढ़ाकर दिखाई। इधर, तेजस्वी ने भाजपा के विधायकों द्वारा कानून व्यवस्था के बिगड़ते हालात पर मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर कहा कि ये लोग हर दिन सिर्फ कहते हैं इस्तीफा दे दो, इस्तीफा दे दो, काहे का इस्तीफा दे दो भाई। लाखों के तादाद में नौकरियां बंट रही है, शिक्षा व्यवस्था को सुधारा जा रहा है। यहां की योजनाओं को अन्य राज्य के लोग देखने आ रहे। उन्होंने कहा कि देना ही है तो भारत सरकार के लोग इस्तीफा दे दें।

सीएम गहलोत ने सरदारपुरा सीट से दाखिल किया नामांकन, बोले, सरकार दोहराने के मूड में जनता

एजेन्सी

जोधपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को जोधपुर की सरदारपुरा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद गहलोत ने कहा कि जनता एक बार फिर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनाएगी। गहलोत ने कहा कि पांच साल के कार्यकाल के बाद भी उनकी सरकार के खिलाफ किसी तरह की श्सत्ता विरोधी लहरश नहीं है। उल्लेखनीय है कि जोधपुर जिले की सरदारपुरा सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। इस सीट से 1999 से अशोक गहलोत लगातार जीतते आए हैं। साल 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें 63 फीसदी वोट मिले थे। जोधपुर में सरदारपुरा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "आज राजस्थान की खुशहाली और समृद्ध सरदारपुरा के संकल्प के साथ क्षेत्र के प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान गहलोत की पत्नी सुनीता गहलोत और पुत्र वैभव गहलोत भी उनके साथ थे। नामांकन दाखिल करने से पहले गहलोत ने अपनी बड़ी बहन विमला देवी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। बाद में संवाददाताओं से बातचीत में गहलोत ने कहा "इतिहास में पहली बार राज्य में ऐसी सरकार है जिसके खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। यह हमारे लिए, हमारी सरकार और कांग्रेस के लिए गर्व की बात है। पांच साल के कार्यकाल में किए गए फैसलों के कारण ऐसा माहौल बना है। गहलोत ने कहा कि आज राजस्थान की चर्चा, हमारी योजनाओं की चर्चा देश भर में हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हो रहा है, हमने हर क्षेत्र में नवाचार किया है और कामयाब हुए हैं। आगामी विधानसभा चुनाव के नतीजों के बारे में उन्होंने कहा, "मैंने अपना धर्म निभाया है। प्रथम सेवक के रूप में मुझे अवसर मिला तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का। अब जनता पर है कि वह क्या फैसला देती है। माई–बाप तो जनता ही होती है। वैसे गांव से लेकर ढाणियों तक में यह माहौल है कि इस बार सरकार रिपीट हो सकती है। गहलोत ने कहा कि कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन के कारण अगर केरल में 70 साल में पहली बार कोई सरकार रिपीट हो सकती है तो राजस्थान में क्यों नहीं ऐसा हो सकता? उन्होंने कहा, "केरल में एक के बाद एक सरकार बदलती थी। सिर्फ और सिर्फ कोरोना काल में बेहतर प्रबंधन के कारण वहां की जनता ने सरकार रिपीट कर दी। हमारा प्रबंधन और भी शानदार था।

शिवराज ने पूछा प्रियंका से सवाल, कांग्रेस ऐसा दलदल क्यों...

एजेन्सी

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य में चुनाव प्रचार के लिए आ रहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से पूछा है कि श्इंडियाश गठबंधन के लोगों की दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती क्यों हो रही है और कांग्रेस पार्टी ऐसी दलदल क्यों बन गई है, जिसमें ये गठबंधन ही धंस गया। चुनाव प्रचार के सिलसिले में यहां आए श्री चौहान ने संवाददाताओं से कहा कि आज श्रीमती वाड्रा मध्यप्रदेश आ रही हैं, उनसे कुछ सवाल पूछने हैं। विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन बना, जिसमें सपा है, आम आदमी पार्टी है, दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती, ये दल आपस में ही लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कल कहा कि कांग्रेस तो चालू पार्टी है। यह लोगों को ठगती है इस पर भरोसा करके हमने गलती की। इंडी गठबंधन वाले लोग ही कांग्रेस के बारे में कह रहे हैं कि कांग्रेस भरोसा करने लायक पार्टी नहीं है। अखिलेश यादव ये भी कह रहे हैं कि 80 साल के आदमी किसी को क्या पहचानेंगे। उन्हें तो कमलनाथ की उम्र पर ही संदेह है। राहुल गांधी को श्री कमलनाथ ने झूठ बता दिया कि उनकी उम्र 72 साल है। अखिलेश यादव कह रहे हैं कि कमलनाथ 80 साल के आदमी हैं। अब कमलनाथ सही उम्र तो बताएं कि उनकी सही उम्र क्या है? उन्होंने कहा कि श्रीमती वाड्रा इस बात का भी जवाब दें कि कांग्रेस ऐसा दलदल क्यों बन गई है जिसमें इंडी गठबंधन ही धंस गया है। जब कोई कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर रहा है तो प्रदेश कैसे भरोसा करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा कहती हैं कि भाजपा ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया।

हीरालाल सामरिया ने सीआईसी प्रमुख पद की शपथ ली

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया को सोमवार को एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाई।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति ने सामरिया को सीआईसी पद की शपथ दिलाई। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। सामरिया ने तीन अक्टूबर को पूर्व सीआईसी यशवर्धन कुमार सिन्हा के सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद संभाला है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी सामरिया ने 7 नवंबर, 2020 को सीआईसी में सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ली थी। तेलंगाना कैडर के 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी, सामरिया श्रम और रोजगार मंत्रालय में सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

कैश फॉर क्वेरी मामले में अब 9 नवंबर को होगी एथिक्स कमेटी की बैठक

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले की जांच कर रही लोक सभा की एथिक्स कमेटी की अगली बैठक अब 7 नवंबर की बजाय 9 नवंबर को होगी। विनोद सोनकर की अध्यक्षता में 9 नवंबर को होने वाली एथिक्स कमेटी की इस बैठक में कमेटी महुआ मोइत्रा के मामले में अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट को लेकर चर्चा करेगी और सहमति बनने पर इस रिपोर्ट को अडॉप्ट भी कर लिया जाएगा। आपको बता दें कि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश के अनुसार एथिक्स कमेटी को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े तथ्यों और सत्यता की जांच कर अपनी रिपोर्ट स्पीकर को सौंपनी है। सूत्रों के मुताबिक, एथिक्स कमेटी के चेयरमैन विनोद सोनकर सहित कमेटी के ज्यादातर सांसद महुआ मोइत्रा की सफाई से संतुष्ट नहीं हैं और अपनी सफाई पेश करते समय महुआ मोइत्रा ने कमेटी की बैठक के अंदर और कमेटी की बैठक से बाहर आने के बाद जिस तरह से चेयरमैन सोनकर पर आरोप लगाए हैं उससे भी कमेटी के ज्यादातर सदस्य नाराज हैं। ऐसे में यह माना जा रहा है कि एथिक्स कमेटी लोक सभा अध्यक्ष से महुआ मोइत्रा को अयोग्य ठहराने की सिफारिश भी कर सकती है। दरअसल, इस मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और जय अनंत देहाद्राई की गवाही के बाद लोक सभा की एथिक्स कमेटी ने अपना पक्ष रखने के लिए महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को बुलाया था। लेकिन, महुआ मोइत्रा ने एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर को पत्र लिखकर तारीख को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। मोइत्रा के पत्र का संज्ञान लेते हुए लोक सभा सचिवालय ने एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर के निर्देश पर उन्हें 2 नवंबर को कमेटी के सामने पेश होने को कहा है। 2 नवंबर को संसद भवन पहुंचकर मोइत्रा कमेटी के सामने पेश भी हुई।

नरेंद्र तोमर के बेटे की गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच हो : कांग्रेस

एजेन्सी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर के वायरल हुए वीडियो को लेकर कांग्रेस हमलावर है और पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इस पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से ज्यूडिशियल इंक्वायरी कराने और देवेंद्र को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री तोमर के बेटे के सामने आए कथित वीडियो को लेकर श्रीनेत ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि वायरल हो रहे वीडियो में देवेंद्र लखनऊ के एक बिचौलिए के जरिए माइनिंग कारोबारियों से करोडों रुपये लेने के लिए मल्टीपल बैंक अकाउंट के बंदोबस्त की बात करते हुए सुने जा सकते हैं। एक बिचौलिया उनसे अलग–अलग बैंक खातों के डिटेल भी मांगते हुए दिखाई दे रहा है। याद रहे कि नरेंद्र सिंह तोमर 2014 से 2019 के बीच केंद्रीय इस्पात और खनन मंत्री रह चुके हैं। वे मुरैना की दिमनी सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं।

उन्होंने आगे कहा कि वायरल वीडियो में त्यागी सरनेम वाले आरबीआई से रिटायर्ड कमिश्नर के माध्यम से किसी पार्टी के 100 करोड़ देने को तैयार होने की बात हो रही है। किसी हरप्रीत गिल और डीएचएल नाम की फर्म के संचालक से पैसे लेने की बात भी है। बिचौलिया देवेंद्र को कभी गुरुजी, कभी भैया कहकर संबोधित कर रहा है। रोहित भैया नाम के किसी शख्स को पैसे भेजने की बात आती है। राजस्थान–पंजाब की एक पार्टी जिसे ट्रेडिंग फर्म और माइनिंग कारोबारी बताया गया है, उससे 39 करोड़ की डील हो रही है, जिसमें 18 करोड़ पहले आ जाने और बाद में 21 करोड़ और देने की बात हो रही है। बातों से ऐसा प्रतीत होता है कि यह पैसा मोहाली के कोई लैंड व्यापारी के माध्यम से आएगा। श्रीनेत का आरोप है कि इस वायरल वीडियो में बिचौलिया किसी पार्सल का भी जिक्र कर रहा है, जिसे दिल्ली एयरपोर्ट पर देवेंद्र तोमर की पत्नी के नाम पहुंचाया गया। इसमें दिल्ली के कृष्णा मेनन मार्ग का पता और पासपोर्ट की जानकारी मांगे जाने की बात होती है। आखिर यह कौन से पैसे हैं, किससे लेने हैं, क्यों लेने है, इन पैसों का क्या होगा? एक बात तो साफ है यह पैसा मध्य प्रदेश की जनता का है, यहां के किसानों का है, बेरोजगार युवाओं का है, यहां की महिलाओं का वो हक है, जिसे लूट कर तोमर और उनके परिवार वाले संभवतः अपनी तिजोरियां भर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज सकते हुए श्रीनेत ने कहा कि मोदी जी को ईडी–ईडी खेलने का बड़ा शौक है, लेकिन यहां सैकड़ों करोड़ों रुपये की रिश्वत की बात होती दिख रही है। यहां सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स को मानो सांप सूंघ गया हो। लेकिन, चुनाव के दौरान ऐसा वीडियो और भी बड़ी शंका पैदा करता है। यह काला धन कहां लगाया गया है। चुनाव आयोग को इस वीडियो का संज्ञान लेकर इसकी सत्यता स्थापित कर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस की प्रवक्ता श्रीनेत ने कहा कि आज सवाल यह है कि इस भ्रष्टाचार के तार कहां तक जुड़े हैं? एक अकेला लड़का मध्य प्रदेश में इतना बड़ा गोरखधंधा तो नहीं चला सकता।

दिल्ली–एनसीआर में फिर हिली धरती, महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली–एनसीआर में तीसरे दिन फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली समेत नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम फरीदाबाद समेत कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। डरे–सहमे लोग घरों और दफ्तरों से निकलकर सड़कों पर आ गए। बता दें कि शुक्रवार की रात को भी दिल्ली–एनसीआर में भूकंप के तेज झटके लगे थे। हालिया आंकड़ों की मानें तो बीते चार दिनों में दूसरी बार धरती हिली है। दिल्ली के अलावा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में भी महसूस किए गए हैं भूकंप के तेज झटके। 4 बजकर 18 मिनट पर भूकंप आया है। दरअसल धरती के भीतर कई प्लेटें होती हैं जो समय–समय पर विस्थापित होती हैं। इस सिद्धांत को अंग्रेजी में प्लेट टैक्टॉनिकक और हिंदी में प्लेट विवर्तनिकी कहते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी की ऊपरी परत लगभग 80 से 100 किलोमीटर मोटी होती है जिसे स्थल मंडल कहते हैं। पृथ्वी के इस भाग में कई टुकड़ों में टूटी हुई प्लेटें होती हैं जो तैरती रहती हैं। सामान्य रूप से यह प्लेटें 10–40 मिलिमीटर प्रति वर्ष की गति से गतिशील रहती हैं। हालांकि इनमें कुछ की गति 160 मिलिमीटर प्रति वर्ष भी होती है। भूकंप की तीव्रता मापने के लिए रिक्टर स्केल का पैमाना इस्तेमाल किया जाता है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। भूकंप की तरंगों को रिक्टर स्केल 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है।

केजरीवाल सरकार का बड़ा फैसला, दिल्ली में लागू होगा ऑड-इवन फॉर्मूला

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण के मद्देनजर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को कहा कि शहर में 13 से 20 नवंबर तक एक सप्ताह के लिए सम–विषम वाहन प्रणाली लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राय ने कहा, "वायु प्रदूषण के मद्देनजर ऑड–ईवन वाहन प्रणाली 13 से 20 नवंबर तक एक सप्ताह के लिए लागू रहेगी। उन्होंने कहा, पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध के बावजूद, आज हमने पुलिस को सतर्क रहने का निर्देश दिया है, क्योंकि दिवाली और विश्व कप मैच व फिर छठ पूजा है। राय ने कहा, हम बीजेपी शासित राज्यों उत्तर प्रदेश और हरियाणा की सरकारों से भी अपील करते हैं कि वे प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पटाखों पर प्रतिबंध लगाएं। उन्होंने कहा, बैठक के दौरान इस बात पर चर्चा हुई कि दिवाली के बाद राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण बढ़ सकता है। इसलिए दिवाली के एक दिन बाद एक सप्ताह के लिए ऑड–ईवन योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऑड–ईवन योजना 13 नवंबर से 20 नवंबर तक लागू की जाएगी और उसके बाद समीक्षा की जाएगी।

दिल्ली में प्रदूषण संकट गंभीर, चार साल बाद फिर लागू होगी सम-विषम योजना

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को घोषणा की कि वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने की कवायद के तौर पर शहर में 13 से 20 नवंबर तक सम–विषम कार योजना लागू की जाएगी। राय ने यह भी कहा कि स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने सभी स्कूलों में कक्षाओं को बंद करने और केवल ऑनलाइन कक्षाओं को अनुमति देने का फैसला किया है। केवल बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 10वीं और 12वीं कक्षाओं के छात्रों पर यह लागू नहीं होगा। पर्यावरण मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "दिल्ली में दिवाली के बाद 13 से 20 नवंबर तक सम–विषम योजना लागू की जाएगी। इस योजना की अवधि बढ़ाने पर फैसला 20 नवंबर के बाद लिया जाएगा।श्श राय ने कहा कि सम–विषम योजना से छूट समेत इसका विवरण परिवहन विभाग के साथ विचार–विमर्श कर तय किया जाएगा। साल 2016 में पहली बार लागू की गई इस योजना के तहत सम या विषम पंजीकरण संख्या वाली कारों को वैकल्पिक दिनों (एक दिन छोड़कर एक दिन) पर चलाने की अनुमति दी जाती है। अगले सप्ताह जब इसे लागू किया जाएगा तो यह चौथी बार होगा जब दिल्ली सरकार वाहनों से होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए यह योजना लागू करेगी। 'द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा 2018 में किए एक अध्ययन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में पीएम 2.5 प्रदूषण में वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन का तकरीबन 40 फीसदी योगदान रहता है। राय ने कहा कि दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्र सरकार की योजना 'ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लानश (ग्रैप) के अंतिम चरण के तहत जरूरी सभी सख्त पाबंदियों को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता "अत्यधिक गंभीर (एक्यूआई 450 से अधिक) श्रेणी में चले जाने के बाद रविवार को सभी प्रकार के निर्माण कार्य और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों के प्रवेश निषेध समेत कई पाबंदियां लगायी गयी हैं। राय ने यह भी कहा कि सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 फीसदी कर्मचारियों को घर से काम करने का आदेश देने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। इससे पहले सोमवार को, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सर्दियों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने की कार्य योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए अपनी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। राय ने कहा कि हवा की गति बढ़ने के कारण अगले कुछ दिन में वायु प्रदूषण की स्थिति में सुधार आ सकता है।

सम्पादकीय

दरिद्रता दूर करते हैं दीपक

उल्लास, प्रकाश व ज्ञान के प्रतीक दीपक को सभी मांगलिक कार्यों में अनिवार्य बताया गया है। पहला दीपक कैसे और किसने जलाया होगा, यह बता पाना कठिन है, लेकिन इसकी महत्ता और महिमा को सभी ने स्वीकारा है। दीपक दुष्टात्माओं के लिए काल तथा संतात्माओं का संबल बताया गया है। समय और काल के अनुसार दीपक भिन्न रूप और आकार लेते रहे हैं। इतिहास में सबसे पहले दीपक मिट्टी के ही पाए गए। ये मिट्टी के दीपक रामायण और महाभारत काल में स्वर्णदीप' और रत्नदीप' में परिवर्तित हो गए। दीपक में बाती रखने के लिए उसमें एक तरफ हाथ से दबाकर स्थान बना दिया जाता था। शुरू में बाती सूखी घास की बनाकर डाली जाती थी। लेकिन बाद में दीपक और बाती के बारे में समुचित व्यवस्थाएं बनीं। श्भविष्यपुराण' में वर्णित है कि सूर्य देवता के लिए जलाए जाने वाले दीपक में लाल कपड़े की बाती उपयोग करना चाहिए। यह बाती या वर्तिका श्पूर्णवर्तिका' कहलाती है। विष्णु के समक्ष पीत वस्त्र से निर्मित वर्तिका वाला दीपक जलाया जाता है। यह वर्तिका श्भोगवर्तिका' कहलाती है। इसी प्रकार भगवान शिव के लिए निर्मित श्वेत वस्त्र की वर्तिका श्ईश्वरवर्तिका' कहलाती है। गौरी के लिए निर्मित कुसुम रंग वाली वर्तिका श्सौभाग्यवर्तिका' तथा दुर्गा के लिए लाल रंग के समान रंग वाले वस्त्र से निर्मित वर्तिका श्पूर्णवर्तिका' कहलाती है। इसी प्रकार से ब्रह्मा के लिए जलाए जाने वाले दीपक की वर्तिका श्पद्मवर्तिका' नागों के लिए प्रदत्त वर्तिका श्नागवर्तिका' तथा ग्रहों के लिए श्गृहवर्तिका' कहलाती है। दीपक सदैव घी अथवा तेल का ही जलाना चाहिए। पूजा स्थल अथवा मंदिर में लेपन के बाद मंडल बनाकर घृतदीप जलाने से नेत्ररोग नहीं होता। महुए का तेल वाला दीपक जलाने से सौभाग्य प्राप्त होता है। तिल के तेल वाला दीपक जलाने से सूर्यलोक प्राप्त होता है। सरसों के तेल का दीपक शत्रु पर विजय प्राप्त कराता है। इसी प्रकार विभिन्न तेलों के दीपक भिन्न–भिन्न फलदायी बताए गए हैं।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में दीपक जलाना अनेक प्रकार से लाभकारी बताया गया है। यूं तो बारहों महीने दीपक जलाने के भिन्न–भिन्न लाभ हैं, लेकिन पुराणों में कार्तिक माह में दीपक जलाने का विशेष उल्लेख मिलता है। कार्तिक के महीने में दीपक घर, मकान, मंदिर, चौराहों आदि स्थानों पर रखने तथा धन–धान्य की देवी लक्ष्मी की स्तुति करने से दरिद्रता नष्ट होती है। दीपावली के अवसर पर जलने वाले दीपकों को दीपलक्ष्मी' के नाम से जाना जाता है। पूजा के समय लक्ष्मी की प्रतिमा के चारों ओर दीपक रखे जाते हैं। इसी कारण इन दीपों को दीपलक्ष्मी' या लक्ष्मीदीप' कहते हैं। घरों में महिलाएं पूजा स्थल पर जो दीप रखती हैं, वह श्अर्चना–दीप' या श्आरतीदीप' कहलाता है। मंदिरों में रखा जाने वाला दीप श्गर्भदीप' कहलाता है। हमारे यहां भूले–भटकों को रास्ता दिखाने की परंपरा है। अतरू जो दीपक ऊंची इमारत या छत पर रखा जाता है, उसे आकाशदीप और जो चौराहों या दरवाजों पर रखा जाता है, उसे भू–दीप' कहते हैं। दीपक को वृक्षों के नीचे तथा शाखाओं पर भी रखने की परम्परा रही है। तुलसी के पौधे के नीचे घरों में महिलाएं जो दीपक रखती हैं। उसे श्वृंदावन दीपक' कहते हैं। तात्पर्य यह कि अवसरों स्थानों तथा उद्देश्यों के अनुसार ही इन दीपकों को विभिन्न नाम स्वरूप प्रदान किए गए। दीपक की महत्ता इस बात से भी प्रकट हो जाती है कि संगीत की दुनिया में यह एक विशेष राग श्दीपक राग' बना हुआ है। कहते हैं कि दीपक राग को जब संगीतकार गाते थे तो दीपक स्वयं ही जलने लगते थे। दीपक की महिमा का वर्णन सभी संतों, साहित्यकारों और कवियों ने किया है। इसका प्रमुख कारण है कि दीपक प्रकाश का प्रतिरूप है। प्रकाश को ही ज्ञान कहा गया है। दीपक जलने से बुरी चेतनाएं तो लुप्त होती ही हैं, भली चेतनाएं जागृत भी हो उठती हैं। दीपक साहस का संचार करता है। महात्मा तुलसीदास ने दीपक को श्ज्ञानदीप' की संज्ञा देते हुए रामचरितमानस में कहा है राम नाम मनि दीप धरि, देहि देहरी द्वारध्तुलसी भीतर बाहरो, जो चाहत उजियार।। दीपक के बारे में जिस प्रकार भिन्न–भिन्न दृष्टिकोण है। उसी प्रकार दीपक भी समय काल के अनुसार भिन्न–भिन्न रूप एवं आकार लेता रहा। दीपावली पर जलाए जाने वाले दीपक अब विद्युत बल्बों में बदल रहे हैं। परिणामस्वरूप दीपक अब पूजा–घरों एवं मंदिरों में ही दिखाई देते हैं। हमारे यहां कार्तिक मास की अमावस्या को दीपदान करना व दीपक जलाना कई प्रकार से फलदायी बताया गया है। अतरू यदि पूरे माह दीपक जलाना संभव नहीं हो सके तो फिर अमावस्या की रात दीपक अवश्य जलाना चाहिए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानवता के लिए खतरा

प्रेम शर्मा

ब्रिटेन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर नियंत्रण विहीन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से दुनिया के लिए भारी खतरा उत्पन्न होने की शंका जताई गई है। इससे लोगों की गोपनीयता तो खत्म होगी और इंसानी जीवन पर खतरा मंडराने लगेगा। सबसे खास बॉत यह कि आज बेरोजगारी की समस्या से दुनिया जुझ रही है। ऐसे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेरोजगारी बढाने के साथ सुरक्षा, राजनैतिक, शैक्षिक एवं संवेदनशील मुद्दों पर अनावश्यक हस्तक्षेप करेगा। वैसे तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी। इसके जरिये कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम तैयार किया जाता है, जिसे उन्हीं तर्कों के आधार पर चलाने का प्रयास किया जाता है जिसके आधार पर मानव मस्तिष्क काम करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जनक जॉन मैकार्थी के अनुसार यह बुद्धिमान मशीनों, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम को बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है अर्थात यह मशीनों द्वारा प्रदर्शित किया गया इंटेलिजेंस है। ब्रिटेन में अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े जोखिमों और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व में उनसे निपटने के तरीकों पर विचार–विमर्श करने के लिए 100 से ज्यादा विश्व नेता, तकनीकी दिग्गज, शिक्षाविद और शोधकर्ता ने एआई से उपजने वाले सम्भावित वाले खतरों से निपटने की योजना पर एक राय दी है। तय यह हुआ है कि सरकारें एआई तकनीक कायदे कानून के अनुसार विकसित करें। इस बॉत पर भी चिन्ता जताई गई कि अगर निजी कंपनियों में एआई के विकास को लेकर खुली प्रतिस्पर्धा छिड़ी तो यह मानवता के लिए नुकसान देह साबित होगा। वैसे भी वैश्विक बोस बनने की सनक में कई राष्ट्र दूसरे राष्ट्रो के जानी दूश्मन बनते जा रहे है।

हाल की एक रिपोर्ट में यूके सरकार ने एआई के कुछ चिंताजनक संभावित खतरों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें जैव–आतंकवाद, साइबर हमले और बाल यौन शोषण की डीपफेक इमेज शामिल हैं। इतना ही नही एआई में कई नौकरियों को एक साथ करने की क्षमता है जो आज के समय में मानव द्वारा की जाती हैं। इससे बड़े पैमाने पर नौकरी खत्म हो सकती है और बेरोजगारी बढ़ सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो दिमाग वाले काम पर बहुत अधिक निर्भर हैं। एआई केवल उतना ही निष्पक्ष हो सकता हैं जितना कि उसके डेटा को प्रशिक्षित किया जाता है. यदि डेटा में निष्पक्षता का पैटर्न हैं तभी एआई भी पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण होगा। यह समस्या राजनीतिक, शैक्षिक एंव सवेंदनशील मुद्दो पर बहुत ज्यादा असर डालती है क्योकिं ऐसे भेदभाव से भरे बयान दंगो का कारर्ण बन सकते हैं। एआई सिस्टम साइबर हमलों और हैकिंग के प्रति सेंसेटिव हैं. यदि एआई सिस्टम में छेड़छाड़ की जाती है, तो इससे बहुत सा डेटा लीक हो सकता है, जिससे आम जनता को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। एआई सिस्टम के हल जटिल और समझने में कठिन हो सकते हैं. जिससे आपको इसमें मौजूद कमियां या सिस्टम से हुई गलती की पहचान करना मुश्किल हो जाता है , इसलिए यह कभी दृ कभी किमती समय खराब करता है। एआई–संचालित हथियार मानव जीवन को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचा सकते है, जिसका हाल ही अभी एक केस यूस.एस एयर फोर्स का भी आया जिसमें एआई ने अपने ही ऑपरेटर को मौत के घाट उतार दिया। इसलिए यह तय करना बहुत जरूरी है कि एआई का उपयोग ऐसे हथियार बनाने के लिए किया जाना चाहिए जो मानव को नुकसान न पहुंचा पायें। हालांकि आपको यह तय करना जरूरी है कि एआई के जोखिमों को कम करने और फायदों को अधिक करने पर ध्यान देने के साथ एक जिम्मेदार और नैतिक तरीके से विकसित और प्रयोग किया जाए। इसके लिए सरकारों, कारोबारियों और जनता के बीच सहयोग की आवश्यकता होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का उपयोग इस तरह से किया जाए जिससे पूरे समाज को लाभ हो।

विश्व के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सुरक्षा शिखर सम्मेलन ब्रिटेन के बकिंघम में यूनियन कौशल विकास और उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भारत की तरफ से सुरक्षा, विश्वास और जवाबदेही पर विशेष ध्यान देने के साथ एआई के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि हम एक ऐसे युग में प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जहां यह मानव जाति के लिए अब तक के सबसे रोमांचक अवसरों में से कुछ पेश कर रहा है।मंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भारत की पहले से ही तेज और विस्तारित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था, विकास और शासन का एक गतिशील प्रवर्तक है। उन्होंने कहा कि हम एआई को खुलेपन, सुरक्षा, विश्वास और जवाबदेही के चश्मे से देखते हैं। मंत्री ने आगे कहा कि एआई का उपयोग केवल भलाई के लिए, सभी देशों में हमारे सभी नागरिकों की प्रगति और समृद्धि के लिए किया जाना चाहिए। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई से जुड़े जोखिमों पर विचार–विमर्श करना, विशेष रूप से इसके विकास के अत्याधुनिक स्तर पर, और विश्व स्तर पर समन्वित प्रयासों के माध्यम से उनके शमन के लिए रणनीतियों की खोज करने के लिए प्रमुख एआई निगमों, नागरिक समाज संगठनों और यूके, यूएस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, आयरलैंड, इटली, केन्या के अनुसंधान विशेषज्ञों सहित दुनिया भर के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।

ब्रिटेन में दो दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन में दुनिया के पहले एआई सुरक्षा संस्थान के निर्माण के साथ समाप्त हो गया। एआई सुरक्षा संस्थान जी–7 देशों के भीतर पहला टास्क फोर्स बन गया है।टास्कफोर्स के एक्सटर्नल एडवायजरी बोर्ड में राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर कंप्यूटर विज्ञान तक के कई दिग्गज होंगे, जो नए वैश्विक केंद्र को सलाह देंगे। संस्थान का इरादा एआई माडल की संभावित हानिकारक क्षमताओं से निपटने के लिए नए प्रकार के एआई उपक्रम का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है।

एआई सेफ्टी समिट में ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और टेस्ला के सीईओ के बीच बातचीत में एलन मस्क ने एक दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा भविष्य में ह्यूमनॉइड रोबोट्स यानी इंसान के काम को करने के लिए डिजाइन किए गए रोबोट्स इंसानों का हर जगह पीछा करेंगे। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब लोगों को नौकरी करने की जरूरत नहीं होगी।दुनिया के भविष्य के लिए उभरते जोखिमों में जलवायु परिवर्तन, युद्ध और अन्य अनिश्चितताओं के बीच एक नया खतरा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) है। इंश्योरेंस कंपनी एएक्सए की फ्यूचर रिस्क रिपोर्ट 2023 के अनुसार पिछले साल की तुलना में एआइ 10 अंकों की छलांग लगाते हुए इस वर्ष दुनिया की चौथी सबसे बड़ी चिंता बन गया है। विशेष रूप से जेनरेटिव एआइ के तेजी से विकास ने इस खतरे को और बढ़ाया है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश विशेषज्ञों 64 प्रतिशत और जनता 70 प्रतिशत का तो यह भी मानना है कि एआइ संबंधी रिसर्च को रोक दिया जाना चाहिए। अनुमान है कि एआइ का विकास मनुष्यों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर सकता है। सभी जानते है कि दुनिया में अभी भी काफी देश ऐसे है जिनकों इंटरनेट या आधुनिक तकनीक का उतना फायदा नही हुआ जितना होना चाहिए था। कई देश इंटरनेट के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर हाईस्पीड वाले देश सउदी अरब, साउथ कोरिया, आस्टेलिया और कनाड़ा जैसे देशों को इसका बेहतर फायदा होगा। इसी तरह कम्प्यूटर तकनीक में अग्रणी देश कनाड़ा, अमेरिका, आस्टेलिया, जर्मनी, सिंगापुर, स्विटजरलैण्ड ओरी चीन जैसे देशों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में काम करना अन्य देशों की अपेक्षाकृत सरल होगा। ऐसे में चंद देशों को तकनीकि उपलब्धता को फायदा मिलेगा। ऐस में कुछ देश एआई जैसी तकनीक पर शिंकजा कसना चाहेगें। इसलिए बेहतर यही होगा कि जरूरत के हिसाब से एआई तकनीक के क्षेत्र में काम करने के लिए एक मानक, नियम कायदे और इन पर नियंत्रण रखने पारदर्शी व्यवस्था की दरकार होगी।

संयम, अनुशासन सफलता के स्रोत

मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंधा निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संस्कार और संस्कृति का परिचायक है दीपक

चेतन चौहान

भारतीय संस्कृति में दीपक की महिमा अपरम्पार है इसलिए दीपक को जीवन की प्रकाश परम्परा व तमसो मां ज्योतिर्गमय की आकांक्षा का आधार स्तंभ भी माना गया है। भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में ऋग्वेद के अनुसार दीपक की उत्पत्ति सूर्य से मानी गयी है। हमारे शास्त्रों में यूं भी नौ प्रकार की पूजा–अर्चना का विधान है, जिसके तहत दीप पूजा व दीपदान को श्रेष्ठ माना गया है। प्राचीनकाल से ही भारतीय परंपरानुसार किसी भी शुभ कार्य के आरंभ में दीपक प्रज्ज्वलित किया जाता है। जलता हुआ दीपक हमारे जीवन का साक्षी होता है।

हमारे देश में तीज–त्योहारों में मांगलिक अवसरों पर सर्वप्रथम दीपक जलाकर विभिन्न उत्सव मनाये जाते हैं। दीपक की प्रज्ज्वलित लौ प्रकाश की रश्मियां बिखेरकर अंधकार को दूर करती हैं व हमें जनजीवन का सन्देश देती हैं। जलता हुआ दीपक मनुष्य की प्रगति तथा खुशियों का पर्याय माना जाता है। जहां दीपक हमारी आस्था और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है, वहीं यह टिमटिमाते तारों के प्रकाश से भी प्रेरणा लेने का आह्वान करता है। भारतीय संस्कृति में दीपक को तो साक्षात् सूर्य व अग्नि का द्योतक माना गया है।

मनुष्य के जीवन में दीपक का महत्व प्राचीन काल से ही रहा है। प्राचीन लोकमान्यताओं के आधार पर भी इस बात को बल मिलता है कि प्राचीन सभ्यताओं में भी लोगों में दीपावली की भांति त्योहारों को मनाये जाने का प्रचलन रहा, जिनमें दीपक को प्रमुखता दी गयी है। प्राचीन सभ्यता के तहत मोहनजोदड़ो व हड़प्पा की खुदाई में कई प्रकार के दीपक मिले हैं, यहां तक कि मानव सभ्यता के विकास क्रम में भी कुछ ऐसे प्रमाण मिले हैं, जिनमें नगरों को प्रकाशमान करने के लिए सहस्त्रों की संख्या में सूर्यास्त होते ही दीपक जला दिये जाते थे। भारत में दीपक का उद्भव पांच हजार वर्ष पूर्व माना गया है। यह दीपक आकार में कोने मुड़े हुए चौकोर आकृति के थे। हड़प्पा की सभ्यता में खुदाई के दौरान गोल आकार के दीपक मिले थे। मोहनजोदडों में मिली विभिन्न देवियों की प्रतिमाओं की केश लड़ों में दोनों ओर दीपक बने हुए पाये गये हैं मोहन जोदड़ों शहर के मुख्य मार्गों के दोनों ओर दीपक जलाने के विशाल गढाईदार द्वार कलात्मक रूप में पाये गये हैं। आलों व ताखों में घरों में दीपक जलाने की परंपरा रही है। भारत के कुषाण वंश के दौरान पाये गये गोल दीपक काफी गहराई के होते थे। इन दीपकों के सिरे बाती रखने हेतु मुड़े हुए होते थे। रोम व यूनान की सभ्यता व संस्कृति में नाव के आकार के दीपक होते थे। उनके छेदों में बाती निकालकर तेल भरकर जलाया जाता था। आजकल बनने वाले विभिन्न प्रकार के दीपक गुप्तकाल की तरह के हैं। मुगलकाल में भी विशेष प्रकार के दीपक बनते थे, जिसे किसी भी दिशा में घुमाया जा सकता था।

प्राचीन गंधार काल में भगवान बुद्ध के समय में कटोरीनुमा दीपक बनाये जाते थे। दीपक भले ही किसी भी सभ्यता व संस्कृति में विभिन्न आकार व प्रकार के बनते रहे हों, लेकिन हर काल में ये प्रकाश के प्रतीक ही माने गये हैं। भारतीय संस्कृति में दीपकों के साथ कुछ ऐसी मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं जो शकुन और अपशकुन को बलवती करती हैं।कहा जाता है कि यदि जलता हुआ दीपक हवा से या हाथ से गिरकर बुझ जाता है तो इसे बुरा माना जाता है। यहां तक कि दीपक बुझा दो कहना भी अशुभ है। हमारे शास्त्रों में इस प्रकार के विधान का उल्लेख मिलता है कि यदि भोजन के वक्त दीपक बुझ जाये तो अन्न ग्रहण नहीं करना चाहिए। पुराणों में तो यहां तक तर्क दिया गया है कि जलते दीपक को फूंक मारकर बुझाने वाला व्यक्ति नर्क में जाता है व अगले जन्म में जन्मांध पैदा होता है। संसार में जितने भी अन्धे, मूक, बधिर, निर्धन व बुद्धिहीन व्यक्ति जन्म लेते हैं तो उनके बार में कहा गया है कि उनका कृत्य जलते हुए दीपकों का बुझाना माना गया है। दीपक की ज्योति का रंग भी हमारे जीवन में शुभ–अशुभ को दर्शाता है।

शास्त्र विधानों में श्वेत ज्योति अहम् का सर्वनाश करती है व श्याम वर्ण ज्योति मृत्यु का संकेत देती है तो अत्यंत लाल ज्योति सुख प्रदान करती है। इस तरह कोरी ज्योति लक्ष्मी के आने का आभास देती है। हमारे धर्मग्रन्थों में इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि दीपक सदैव पवित्र व धार्मिक स्थलों पर जलाये जायें। जहां तक हो सके शुद्ध घृत से दीपक जलायें। घी की ज्योति से नेत्र रोगमुक्त होते हैं तो महुए के तेल से जलता दीपक सौभाग्य प्रदान करता है। तिल व सरसों के तेल से दीपक जलाने से रोग व अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। कार्तिक मास में दीपक जलाने से कई जन्मों का पुण्य प्राप्त होता है। दीपदान जमीन पर करने की बजाय वृक्षों, जलाशयों व नदियों में केले के पत्तों पर रखकर किया जाना चाहिए। हिन्दू संस्कृति में दीपक को इतना महत्व दिया गया है कि यहां दीपकों का निर्माण करने वाले कुम्हारों ने भी विभिन्न प्रकार के दीपकों का निर्माण कर उसके आकार प्रकार से उसके सौंदर्य को बढ़ावा दिया है। दीप संरचना की परम्परा में सोलह प्रकार के दीपक बनाने का विधान है। धीरे–धीरे दीपकों के स्वरूप व इसकी आकृतियों में काफी परिवर्तन आ गये हैं, लेकिन आज भी ग्रामीण परिवेश में मिट्टी के चौड़े मुंह के कटोरेनुमा दीपक को ही जलाने की परम्परा है। हालांकि भौतिकवादी संस्कृति व महंगाई ने तेल के दीपकों पर बंदिश अवश्य लगायी है, लेकिन फिर भी भारत में गरीब से गरीब व्यक्ति भी दीपावली पर मां लक्ष्मी की आराधना व उसमें आस्था व्यक्त करने के लिए एक छोटा सा दीपक अपनी कुटिया में अवश्य ही जलाता है। साथ ही तमसो मां ज्योतिर्गमय का अहसास अपने जीवन में कर स्वयं को धन्य समझता है। कुल मिलाकर दीपक की बढ़ती लौ हमें सदैव आगे बढने की सदियों से प्रेरणा देती आ रही है, जिसके उजियारे में उज्ज्वल भविष्य की ही आस में चिरकाल से हम बैठे हैं।

क्या दीपावली की रस्में कुछ मानसिक रोगों का भी इलाज हैं?

उसे मत फेंको। तुम्हें उसकी कीमत का अंदाजा नहीं। बहस मत करो। अगर यह तुम्हें इतना ही खटक रहा है तो इसे मेरे कमरे में रख दो। तुम इसकी कीमत बाद में समझोगे।श क्या आपको लग रहा है कि गुस्से में कहा गया ये वाक्य आपने कहीं सुना है? यह अनेक घरों में दीपावली की सफाई के दौरान सुना जाने वाला आम जुमला है। संयुक्त परिवार में कोई न कोई यह कहता ही है। ऐसा नहीं कि इसको आप ही सुनते हैं, आपकी मां ने भी रसोई में से यह बात सुनी होगी, आपको बुलाया होगा और आंखों से चेतावनी दी होगी, जिसका मतलब होगा षकितनी बार कहा है कि उनकी चीजों को हाथ मत लगाओ। अब जाओ और दूसरी जगहों को साफ करो।श और आप कनपटी पर उंगली रखकर रसोई से निकल जाते हैं, जिसका अर्थ होता है, इस घर में सिरफिरों की कमी नहीं! और अगर आप ऐसा सोचते हैं तो आप गलत नहीं हैं, क्योंकि चीजें जमा करते जाने की फितरत मानसिक रोग से कम नहीं, जो उम्र के साथ गहराती चली जाती है। 2.5ः कामकाजी आबादी और 7ः बुजुर्ग इससे पीड़ित हैं। इस व्याधि से ग्रस्त लोगों को अपनी चीजों से इंसानों जितना ही, या शायद उनसे भी ज्यादा लगाव होता है। उन्होंने अपनी पहचान को उससे जोड़ लिया होता है और उन्हें लगता है कि अगर उनसे उनकी चीजें छीन ली जाएंगी तो वो खुद कहीं खो जाएंगे। रिसर्च इसका सम्बंध अकेलेपन जैसी इंटरपर्सनल समस्याओं और अटेंशन डेफिसिट और हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर से भी जोड़ते हैं।

आज का राशि फल

मेष :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में परिश्रम तीव्र होगा। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई–नई युक्तियाँ उत्पन्न होंगी।

बृषभ :– रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

मिथुन :– दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीन भावना ना पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। किसी सहकर्मी खराब व्यवहार से कष्ट संभव।

कर्क :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। किसी विपरीत लिंगी सम्बन्ध में आकर्षण बढ़ेगा।

सिंह :– नाजुक सम्बन्धों मे भावनात्मक ताल–मेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। भावनात्मक अभिब्यक्ति सम्बन्धों मधुरता बढ़ेगी। कुछ नये उत्साह की अनुभूति करेंगे।

कन्या :– पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दूसरों की आलोचना का अपने मनोबल पर असर न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता से प्रगति के अच्छे अवसर मिलेंगे।

तुला :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयाँ संभव। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

वृश्चिक :– आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित होगा, अतरू इसे सुधारें। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिन्तित होंगा। मन आपसी तालमेल बैठाने में असमर्थ होगा।

धनु :– दूसरों की बात इधर से उधर करना आपको शोभा नही देता। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होग। परिवारिक संबंधों में कटुता पैदा न होने दें।

मकर :– अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। रोजगार में सफलता के योग हैं। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव।

कुंभ :– कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। राजनैतिक सरगर्मियाँ आपकी व्यस्तता बढ़ाएंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आर्थिक परेशानी पैदा हो सकती हैं।

मीन :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें। स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं का एक छत के नीचे लोगों को पहुंचाया जाएगा लाभ : रमेश मिश्रा

1-आज से बदलापुर महोत्सव का हुआ आगाज देश के जाने-माने कलाकार महोत्सव में करेंगे शिरकत

2-तीन दिनों तक चलने वाले महोत्सव में प्रदेश सरकार के कई मंत्री साधु संत और महात्मा करेंगे शिरकत

3-प्रधानमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 501 जोड़ों का कराया जाएगा एक साथ विवाह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर बदलापुर तहसील के सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज बदलापुर मे 7, 8 व 9 नवम्बर को आयोजित होने वाले बदलापुर महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसको लेकर आयोजन रमेश मिश्रा द्वारा तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है इस महोत्सव में देश के विभिन्न कोने से अपनी अपनी कला में महारत हासिल किये कलाकार शिरकत करेंगे।

कार्यक्रम की तैयारी कलाकारों और अतिथियों के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 7 नवम्बर को परिसर में 501 जोड़ो की शादी बद्लापुर क्षेत्र के लिए एक मिसाल यादगार साबित होगा। सरकारी उपहार के साथ ही वैवाहिक पंडाल में विद्वान आचार्यगण एक ओर जहाँ मन्त्रोच्चार के बीच विवाह की रस्मे पूरी करेंगे वहीं वर बधू को आशिर्वाद देने के लिए सन्त राजकुमार दास जी महन्थ अयोध्या अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचक बापू चिन्मयानंद जी महराज

स्वामी श्री तुलसी महराज जी वृन्दावन अभय चौतन्य फलाहारी मौनी महराज जी गौरीगंज अमेठी सहित सभी सामूहिक जोड़ों को शुभ आशिर्वाद देंगे। शाम पांच बजे से रात दस बजे तक सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम अयोजित किया गया है।जिसके मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पाण्डेय विशिष्ट अतिथि प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह राज्य मंत्री खेलकूद गिरीश यादव ऊर्जा राज्य मंत्री सतीश शर्मा होंगे। विधायक ने आगे बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त यूसुफ खान राजस्थान अलवर राजस्थानी लोक कलाकार की प्रस्तुति

राई लोका नृत्य फरवाही लोक नृत्यके साथ जनपद के स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति में फौजदार सिंह आल्हा सम्राट अनुराग पंडित, संध्या पंडित, वन्दना दुबे, अर्चना तिवारी, विवेक वरदान, सपना शर्मा, शिवम पाण्डेय और अवनीश तिवारी की प्रस्तुति होगी। 8 नवम्बर को होने वाले सांस्कृतिक संध्या के अतिथिगण स्वास्थ्य राज्य मंत्री मनकेश्वर सिंह सिंचाई राज्य मंत्री रामकेश निषाद राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी सांसद वीपी सरोज सांसद एमएलसी विद्यासागर सोनकर रमेश सिंह विधायक शाहगंज और एमएलसी वृजेश सिंह प्रिन्सू सहित तमाम लोग मौजूद होंगे। साथ ही बताया कि बदलापुर के तीन दिवसीय महोत्सव से स्थानीय लोगों को काफी लाभ मिलेगा इन तीन दिनों में पूरे जिले के अधिकारी सरकार की विभिन्न योजनाओं को लेकर जनता के बीच उपस्थित होंगे यहीं बैठे बैठे उनका काम त्वरित गति से कराया जाएगा। साथ ही सरकार की मंशा के अनुरूप लोगों को रोजगार देने के लिए इस मेले में काफी संख्या में विभिन्न कंपनियों के लोग पहुंच रहे हैं और वह युवाओं का सीधा साक्षात्कार करते हुए उन्हें उनके कार्यक्षेत्र के हिसाब से रोजगार दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा सरकार की तमाम योजनाओं का लाभ जो बदलापुर जनता को नहीं मिल रहा है उसे उन तक पहुंचाया जाएगा इन तीन दिनों के महोत्सव का मुख्य देश सरकार द्वारा संचालित जनता को समर्पित तमाम उन योजनाओं को निचले पायदान तक पहुंचाया जाएगा जहां सरकारी मशीनरिया नहीं पहुंच पा रही हैं। कार्यक्रम में उज्वला गैस, के लाभार्थियों, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास शहरी आवास, पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

इस मौके पर प्रबंधक ओमप्रकाश सिंह, जिला मंत्री सुनील तिवारी, विहिप जिलाध्यक्ष राम सहाय पाण्डेय, संतोष मिश्रा सुग्गू, अम्बुज मिश्रा, आरके उपाध्याय, पवन उपाध्याय, सुरेश चौहान, साहेब लाल चौधरी सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

प्रतिष्ठित ज्वेलरी शो रूम गहना कोठी पर आभूषण खरीदने वालों की लगी भीड़

ग्राहकों की पहली पसंद बना गहना कोठी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कोतवाली चौराहा स्थित नगर की प्रतिष्ठित गहना कोठी – भगेलू राम रामजी सेठ की ज्वेलरी शोरुम पर दीपावली धनतेरस को देखते हुए तीन दिवसीय ज्वेलरी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है, जो 6,7 व 8 नवम्बर तक चलेगी । प्रदर्शनी में ग्राहकों को आभूषणों व छूट का लाभ भी मिलेगा। दस हजार रुपए की खरीद पर कूपन की योजना ग्राहकों को खूब लुभा रही है।

फर्म के अधिष्ठाता विनीत सेठ व विशाल ने बताया कि तीन दिवसीय प्रदर्शनी में ग्राहकों की सुविधा व पसंद का पूरा ख्याल रखा गया है, जिन आकर्षक आभूषणों की डिजाइन के लिए लोग बड़े शहरों में खरीदारी करने जाते थे ,उनकी पसंद का ख्याल रखते हुए आकर्षक व आधुनिक व परम्परागत डिजाइन के गहनों का विशाल संग्रह उपलब्ध है, अब ग्राहकों को अपने शहर में ही सोना,चांदी हीरे के गहने शुद्धता व उचित दर पर मिल जायेंगे।

ग्राहकों की सुविधा के लिए शो रुम में हीरे के आभूषणों के लिए पूरा एक फ्लोर आरक्षित है तथा सोने के आभूषणों के लिए दो बड़े फ्लोर हैं तथा चांदी के गहनों के लिए विशेष स्थान बनाया गया है। सभी फ्लोर पर आने जाने के लिए सीढ़ियां व लिफ्ट की व्यवस्था की गई है, जिससे बुजुर्ग व उम्र दराज ग्राहकों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

शोरूम में हीरे का हल्के वजन से लेकर भारी वजन तक हार, चूड़ी, कड़ा, अंगूठी व सोने में राजशाही ज्वेलरी से लेकर पारम्परिक व आधुनिक आभूषणों का विशाल संग्रह है। चांदी के गहनों, वर्तनों,व सिक्कों का शानदार संग्रह है।

प्रदर्शनी के पहले दिन गहना कोठी शोरूम पर भारी भीड़ देखने को मिली, ग्राहक नीतू राय ने बताया कि शोरूम पर आकर्षक गहनों के आलावा दस हजार की खरीद पर इनामी कूपन भी मिल रहा है, जो बहुत अच्छा है। पूजा श्रीवास्तव ने बताया कि यहां काफी आकर्षक जेवरात देखने को मिल रहा है साथ ही महिलाओं की पसंद का ध्यान रखा गया है। ज्वेलरी के दाम भी हम लोगों की पहुंच के अंदर हैं जिसे आसानी से खरीदा जा सकता है साथ ही सोने और चांदी की शुद्धता भी ज्यादा है ,रेखा यादव ने बताया कि मैं इस प्रतिष्ठान से सोने का हार खरीदी हूं,मन पसंद डिजाइन व उचित रेट से खुश हूं, अन्य ग्राहकों की प्रतिक्रिया भी कुछ ऐसी ही रही ।

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के छः विभाग के छात्र-छात्राओं को मिलेगा गोल्ड मेडल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय,ने 09 नवंबर को वाले दीक्षांत समारोह को लेकर विश्वविद्यालय में तैयारी तेज कर दी गई है। दीक्षांत समारोह के अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों मेडल पाने वाले छात्रों की सूची भी विश्वविद्यालय की तरफ से जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय के अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में नौ नवंबर को कार्यक्रम होना है। इसमें विश्वविद्यालय परिसर तथा विवि से संबद्ध महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं शामिल हैं। मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने विद्यार्थियों की उज्ज्वल भविष्य कामना करते हुए बताया कि हमारे कॉलेज से अर्थशास्त्र विभाग से ऋचा सिंह, शिक्षा विभाग से मौसम सिंह, म्यूजिक एवं गायन विभाग से बृजेश कुमार गौतम, गृह विज्ञान विभाग से खुशबू चौरसिया, मध्यकालीन एवं प्राचीन इतिहास विभाग से प्रतिमा यादव और गणित विभाग से शुभांगिनी गिरी को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जायेगा इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की

संरक्षा को बेहतर बनाने में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को संरक्षा पुरस्ध्कार दिए गए

स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में वृद्धि

गतिशीलता वृद्धि, संरक्षा और ढांचागत कार्यों की समीक्षा

बीडीयू के माध्ध्यम से माल लदान और आय में वृद्धि पर बल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्ध्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने आज उत्ध्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ध्ली में उत्ध्तर रेलवे के विभागाध्ध्यक्षों और मण्ध्डल रेल प्रबंधकों के साथ उत्ध्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की । बैठक में स्ध्टेशनों पर प्ध्लेटफार्मों का विस्ध्तार, प्ध्लेटफॉर्मों के लेवल में वृद्धि, वॉशेबल एप्रनों, दूसरे प्रवेश द्वार का प्रावधान, फुट–ओवर ब्रिजों, एस्ध्केलेटरों, दिव्ध्यांगजनों के लिए लिफ्टों की सुविधा, मुख्य प्रवेश द्वार सहित स्ध्टेशन भवन का सुधार जैसी यात्री सुविधाएं उपलब्ध्ध कराने पर चर्चा की गयी। उन्ध्होंने गतिशीलता वृद्धि, विकासात्ध्मक बुनियादी कार्यों, मालभाड़ा लदान और रेलपथों पर संरक्षा की भी समीक्षा की।

कार्य–प्रगति की समीक्षा करने के साथ–साथ, महाप्रबंधक ने रेल यात्रियों और रेल संपत्ध्ति की संरक्षा और सुरक्षा में उच्ध्च मानकों को बनाए रखने में अपना योगदान देने वाले 5 सजग कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्ध्कार प्रदान किए ।

उन्ध्होंने बताया कि सर्कुलेटिंग एरिया में सीएसआर निधि के जरिये शौचालय के निर्माण के लिए उत्ध्तर रेलवे के अनेक रेलवे स्ध्टेशनों को चुना गया है। उन्ध्होंने रेलगाड़ियों की समयपालनबद्धता के बेहतर रिकॉर्ड को बनाए रखने और गतिशीलता को बढ़ाने से संबंधित कार्यों में तेजी लाने तथा कार्यों की प्रगति की जांच के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्ध्होंने रेलपथों और वैल्ध्डों के अनुरक्षण मानकों को बेहतर बनाने तथा रेलपथों के निकट पड़े स्ध्क्रैप को हटाने के लिए जोन पर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। महाप्रबंधक ने पेडों की छटाई करने और रेलपथों के आसपास उग आई वनस्ध्पतियों को साफ किए जाने के कार्यों का जायजा लिया।

श्री चौधुरी ने रेल परिचालन में मानवीय असफलताओं को कम करने तथा रेल दरारों और रेल वैल्ध्डों की गहन निगरानी करने पर बल दिया। उन्ध्होंने कहा कि इन कामों में कोई त्रुटि नहीं होनी चाहिए। उन्ध्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति और रेल परिचालन से संबंधित निरीक्षणों को बढ़ाने के लिए कहा।

उन्ध्होंने बताया कि खाद्यान्ध्नों एवं अन्ध्य मदों के लदान में प्रत्ध्येक गुजरते माह के साथ वृद्धि हुई है।

उत्ध्तर रेलवे अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगर में मिलावटी मिठाई की बिक्री जोरों पर, प्रशसान मौन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर मुंगराबादशाहपुर के कस्बे व आसपास के इलाकों में मिलावटी दूध, खोवा व पनीर आदि खाद्दय सामग्रियों की बिक्री व घट तौली धड़ल्ले से हो रहा है। दिपावली पर्व के मद्देनजर दूध से बने सामानों की बिक्री तेज हो गया है। पुरानी सब्जी मण्डी, गोला मंडी, अंजही, चौराहे सहित आदि स्थानों पर स्थित डेरी व मिठाई की दुकानों पर दूध से बने मिलावटी सामानों की बिक्री बेखौफ हो रहा है। सिनेमा गली व बस अड्डा के बगल स्थित मिठाई की प्रसिद्ध दुकानों पर प्रशासन से मिलीभगत से बेखौफ मिलावटी मिठाई का सामान बिक रहा है। एक तरफ लोग तरह तरह की बिमारी से वैसे परेशान हैं तो दूसरी तरफ दुकानदारों द्वारा मिलावटी सामानों को बिक्री कर लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है घ्ध। मिठाई की दुकानों पर डिब्बा के साथ मिठाई को तौला जा रहा है। ग्राहकों के विरोध करने पर मारपीट की नौबत आ जाती है। जिला अभिहित अधिकारी देवा शीश उपाध्याय ने बताया कि अभियान चलाया गया है। नमूना भी लिया जा रहा है। जिसमें दो टीमें लगाई गई है।

अगर कोई दुकान दार मिलावटी सामान बेचता पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। डिब्बा के साथ मिठाई तौलना नियम के विरुद्ध है। किसान नेता राजनाथ यादव,सीताराम पटेल,सुभाष चन्द्र पटेल, राम सूरत पटेल, बाबूलाल, धर्मराज, चंद्र शेखर पाण्डेय, श्यामलाल मौर्या आदि ने जिला प्रशासन से मिलावटी सामानों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है।

सड़क पर लगे गाटर से टकराकर जीप चालक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली थाना अंतर्गत केरकत से चन्दवक जा रहे जीप चालक की टाइबीर बाबा मंदिर टाईनाला पर लगे गाटर के खंभे से टकराकर मौत हो गई, भाई के तहरीर पर केराकत पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार की देर रात चन्दवक थाना क्षेत्र के ग्राम सभा रायपुर निवासी रामजीत यादव 50 अपने जीप वाहन से केराकत से चंदवक की तरफ जा रहे थे।

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर(उ०प्र०)

Fax. (05452) 252344,252244
Email:connectpureregistrar@gmail.com
Web: www.vbspu.ac.in

प्रेस विज्ञप्ति
27वां दीक्षान्त समारोह 09 नवम्बर, 2023

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय का 27वां दीक्षान्त समारोह दिनांक 09 नवम्बर, 2023 को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पूर्वाहन 10:00 बजे से आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है। श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश समारोह की अध्यक्षता करेंगी। डा० राजेन्द्र सिंह चेयरमैन (पीपल्स वर्ल्ड कमीशन ऑन ड्राउट एण्ड फ्लड, स्वीडन) तरुण भारत संघ, राजस्थान समारोह के मुख्य अतिथि, श्री योगेन्द्र उपाध्याय, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्रीमती रजनी तिवारी, माननीय राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश सरकार विशिष्ट अतिथि होंगे।

विश्वविद्यालय के समस्त सम्मानित आचार्य, उपाचार प्राध्यापक, परिषदों के सम्मानित सदस्य, पदाधिकारियों एवं सम्बन्धित जनों को सूचित किया जाता है कि आप सभी दिनांक 08.11.2023 को पूर्वाहन 10.00 बजे विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सादर आमंत्रित है। निमंत्रण पत्र अलग से प्रेषित किये गये हैं। पीएच.डी. उपाधिधारक तथा सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले गोल्ड मेडल धारकों को पत्र के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। समस्त को निमंत्रण पत्र/सूचना पत्र साथ में लाना अनिवार्य है।

आरो नंबर पत्रांक : 10210 दिनांक– 05.10. 2023

कुलसचिव

सीएमओ व अन्य पैथी से जुड़े चिकित्सको के अनुसार डेंगू से पीड़ित रोगी घबराए नहीं

विटामिन सी युक्त फलों के साथ अधिक मात्रा में करे तरल पदार्थ का सेवन

अयोध्या। जिले में डेंगू बीमारी पूरी तरीके से फैल चुकी है।जिला चिकित्सालय से लेकर निजी चिकित्सालय की तरफ डेंगू से पीड़ित मरीजों की भीड़ से यही अंदाजा लगता है कि स्वास्थ्य विभाग के सभी दावे खोखले साबित हो रहे हैं।क्योंकि इस समय जहां एक तरफ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मी यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि डेंगू जैसी गंभीर बीमारी पर जिले में नियंत्रण पाया गया है।परंतु जिला चिकित्सालय में बने डेंगू वार्ड हो,पैथालॉजी जांच केन्द्र हो यह ब्लड बैंक हो इसके अलावा यही दशा शहर में अन्य प्राइवेट चिकित्सालय में भी दिखाई दे रही है।जहां पर मरीजों की भारी संख्या में भीड़ दिखाई दे रही है।इस संबंध में सीएमओ डॉ संजय जैन के साथ–साथ एलोपैथी, होम्योपैथी,आयुर्वेदिक पैथी से जुड़े कई चिकित्सकों ने माना कि वास्तव में डेंगू से पीड़ित रोगियों की संख्या जिला व निजी चिकित्सालय की तरफ बढ़ तो रही है। इसका एक कारण यह भी है कि लोग हल्के बुखार में भी डेंगू समझकर इसलिए जिला चिकित्सालय या पैथोलॉजी की तरफ भाग रहे हैं कि उनमें प्लेटलेट्स की कमी हो गई है।जबकि चिकित्सकों की माने तो उन्होंने बताया कि जरूरी नहीं डेंगू रोगी में प्लेटलेट्स की ही कमी हो।इस संबंध में सीएमओ डॉ संजय जैन ने बताया कि डेंगू का के इलाज लिए कोई दवा नहीं है।बचाव ही डेंगू का मुख्य इलाज है।उन्होंने बताया कि डेंगू एक ऐसे मच्छर से फैलता है जो गन्दे पानी में पाया जाता है।उन्होंने बताया इसके लिए आसपास पानी नहीं इकट्ठा होने देंना चाहिए।कूलर में पानी प्रतिदिन बदलें।मच्छरदानी का प्रयोग करें,फुल आस्तीन के कपड़े पहने।छतो पर टायर ट्यूब ना रखें। डेंगू से पीड़ित रोगी में जरूरी नहीं कि प्लेटलेट्स की ही कमी हो। उन्होंने रोगियों को सचेत किया कि झोलाछाप डॉक्टर से भी दूर दूरी बनाएं।उन्होंने बताया कि उनकी टीम पूरे जिले में सक्रिय होकर लोगों को डेंगू के लक्षण,बचाव से संबंधित जानकारियां भी दे रही हैं।शहर के प्रसिद्ध आयुर्वेद से जुड़े व अमर हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ अरविंद खरे ने बताया कि डेंगू वहीं पर फैलता है जहां पर गंदगी रहती है।बुखार आ जाने पर अपने नजदीकी चिकित्सक की सलाह लें और डेंगू में ना घबराए कि आपका प्लेटलेट्स ही काम हो गया है।इस रोग से पीड़ित रोगी को विटामिन सी युक्त फल,नारियल का पानी,कीवी ,पपीता सहित अधिक से अधिक पेयजल पदार्थ का प्रयोग करें।रात में सोते समय मच्छर दानी के प्रयोग के साथ–साथ सफाई का विशेष ध्यान दें।होम्योपैथी से जुड़ी चिकित्सक डॉ रंजना शुक्ला ने बताया कि अगर देखा जाए तो डेंगू से निजात पाने के लिए कोई दवा नहीं बनी है।अगर डेंगू से पीड़ित कोई व्यक्ति है तो उसे अधिक से अधिक विटामिन सी युक्त फल, बकरी का दूध,तरल पदार्थ का अधिक से अधिक सेवन करें।वहीं जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सक डॉ पल्लवी श्रीवास्तव ने भी माना कि डेंगू से पीड़ित रोगी कतई ना घबराए।साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।छत व घरो में टायर ट्यूब सहित ऐसी वस्तुओं को न रखें जहां पर पानी जमा हो।कमरे में मच्छरदानी,ऑल आउट आदि का प्रयोग करें।इसके अलावा विटामिन सी युक्त फलों का अधिक से अधिक सेवन ,नारियल का पानी,फल पपीता का सेवन करें।कुल मिलाकर सीएमओ डॉ संजय जैन के साथ–साथ एलोपैथिक,होम्योपैथिक व आयुर्वेदिक के चिकित्सकों का यही मानना है कि डेंगू से बचने के लिए सफाई पर विशेष ध्यान दें।वही तरल पदार्थ, विटामिन सी युक्त फल बकरी का दूध आदि का सेवन अधिक से अधिक मात्रा में करें।

कृषकों से अच्छा व्यवहार व गन्ने की खरीद पूर्ण निष्पक्ष एवं बिना भेदभाव की जायें:-विधायक

कृषकों का गन्ना समय पर तौल कराने के साथ भुगतान भी निर्धारित अवधि में करायें:-डीएम

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना) आज डीसीएम श्रीराम चीनी मिल रूपापुर के पेराई सत्र का शुभारम्भ विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह तथा मिल के एमडी प्रभात कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से गन्ना तौल कांटा, बैलगाड़ी में लगे बैलों तथा ट्रैक्टर– ट्राली लदे गन्ने के किसानों का तिलक कर, माला पहनाकर तथा शाल, टिफिन, मिठाई एवं गन्ना मूल्य की चेक प्रदान कर किया और पूजा, हवन के उपरान्त सभी अतिथियों ने डोंगा में बेल, नारियल व गन्ना डालकर विधिवत मिल का संचालन प्रारम्भ कराया।

इस अवसर विधायक ने किसानों से कहा कि अपना गन्ना अपने निकट की चीनी मिल को उपलब्ध करायें और सभी सुविधाओं के साथ सरकार द्वारा निर्धारित गन्ने का मूल्य प्राप्त करें। उन्होने मिल प्रबन्धक से कहा कि मिल में गन्ना लाने वाले किसानों से अच्छा व्यवहार करने के साथ उनके गन्ने की खरीद पूर्ण निष्पक्ष एवं बिना भेदभाव की जायें। शुभारंभ के अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि भारत किसान प्रधान देश है इसलिए मिल प्रबन्धन अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुए कृषकों के गन्ने की ससमय तौल कराने के साथ गन्ने का भुगतान भी निर्धारित अवधि में करायें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सवायजपुर, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित गणमान्य व्यक्ति, पत्रकार बन्धु तथा भारी संख्या में किसान उपस्थित रहें।

नर सेवा नारायण सेवा.... गरीब बेटी के विवाह में दारोगा ने पहुंचाई मदद

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।जनपद अयोध्या के जयसिंहपुर वार्ड निवासी एक गरीब परिवार की बेटी के विवाह में खाकी वाले गुरुजी दारोगा रणजीत यादव ने गृहस्थी का सामान देकर मदद किया। दिनांक 5 नवम्बर 2023 दिन रविवार को अयोध्या के जयसिंहपुर वार्ड निवासी करन के बिटिया चाऊमीन की शादी पड़ोसी कुलदीप के लड़के अविनाश से हो रहा था। करन की माली हालात ठीक नहीं है इसकी जानकारी पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में नियुक्त उपनिरीक्षक रणजीत यादव को हुई तो अपने सहयोगी ऋषभ शर्मा को साथ लेकर पूरे साजो सामान के साथ गरीब बिटिया कुमारी चाऊमीन के द्वार पर अपनी मोटरसाइकिल से जा पहुंचे। उपहार का सामान लेकर पहुंचे दारोगा को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। घर पर दूल्हा अविनाश अपने बारातियों के साथ ढोल नगाड़े डीजे के साथ पहुंच गया था। रणजीत यादव ने दुल्हन बनी बिटिया चाऊमीन को साड़ी,मिठाई, साबुन,तेल,शीशा–कंधी,सुहाग का सामान, गरम साल तथा घरेलू सामान में स्टील की एक बाल्टी, दो थाली, 2 गिलास,4 कटोरी,2चम्मच तथा दूल्हे अविनाश को शर्ट–पैंट, मिठाई, गरम साल प्रदान कर विवाह की बधाई देते हुए सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। घराती बने खाकी वाले गुरुजी को लड़की के पिता करन ने मिठाई खिलाकर स्वागत सत्कार किया। सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव के इस नेक कार्य में कम्पोजिट विद्यालय पुलिस लाइन की प्रधानाध्यापिका गीता वर्मा, राजकुमार बर्तन स्टोर ने अपना सहयोग दिया। अयोध्या कैंट स्टेशन में नियुक्त लोकॉपाइलट राजन यादव ने 501रुपया,आशीष फाउंडेशन ने 501 रुपया तथा अयोध्या कोर्ट में नियुक्त धीरज श्रीवास्तव ने 501 रुपया तथा अधिवक्ता बिमलेंद्र मोहन ने 201 रुपया दहेज अपने हाथों से बिटिया को नगद प्रदान किया।

'मौसम अलर्ट'

'कड़कड़ाती सर्दी की उत्तरभारत में कुछ ही घण्टों में होगी एंट्री'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों के साथ साथ मैदानी इलाकों में लगभग 20–25 दिन के अन्तराल के बाद मौसम करवट लेने वाला हैЂ

9 नवंबर को पहाड़ी राज्यों पर पहुंचेगा मध्यम दर्जे का पश्चिमी बिक्षोभ जिसके चलते मैदानी इलाकों राजस्थान हरियाणा दिल्ली पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 10 नवंबर को हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिलेगीЂ

राजस्थान पंजाब हरियाणा में इस सिस्टम का सबसे ज्यादा असर होगा और कही मध्य से मध्यम और कुछ इलाकों में तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि देखने को मिलेगीЂ

उत्तर प्रदेश के सभी किसान भाईयों से निवेदन है कि ये सिस्टम केवल 1 दिन में ही बारिश देता हुआ आगे निकल जायेगा। इसलिए जो फसल इस समय बोई जा रही है उन पर इसका असर नहीं होगाЂ

और जैसे ही ये सिस्टम 11 नवंबर को आगे निकलेगा बैसे ही पहाड़ों से होते हुए ठंडी पश्चिम हवाएं जोर पकड़ेगी और तीव्र ठंड सुरु हो जायेगीЂ

'अवैध हथियार रखने वाले एक नफर अभियुक्त को 2 अदद अवैध पिस्टल, 03 अदद मैग्जीन व 13 अदद जिंदा कारतूस 32 बोर के साथ गिरफ्तार।'

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या राजकरन नय्यर द्वारा अपराध तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण व महिला सम्बन्धी अपराधों के उन्मूलनध्अन्वेषण हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान व पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर शैलेन्द्र सिंह के दिशा–निर्देशन व पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार मिश्रा थाना कैण्ट जनपद अयोध्या के नेतृत्व में थाना कैण्ट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर मऊशिवाला तिराहे पर फिजिक जिम के पास से अभियुक्त सुनील जायसवाल पुत्र स्व0 लक्ष्मी नरायन जायसवाल निवासी ग्राम पलिया शाहबदी थाना कैण्ट जनपद अयोध्या उम्र करीब 40 वर्ष को 02 अदद अवैध पिस्टल 32 बोर,03 अदद मैग्जीन मय 13 अदद जिंदा कारतूस 32 बोर, दो अदद मोबाइल फोन 1. टप्टव काले रंग , व्व्व नीले रंग व 1350 रूपया नगद के साथ गिरफ्तार कर गहनता से पूछताछ की गयी कई चौकाने वाले तथ्य सामने आये है जिनके सम्बन्ध में गहनता से जाँच प्रचलित है गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2022–23 के जनपद स्तरीय प्रदर्शनी की संभावित तिथि घोषित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गतवर्ष 2022–23 के इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में चयनित व् डी.बी.टी. माध्यम से रुपये दस हजार प्रोत्साहन राशि प्राप्त बाल वैज्ञानिकों के जनपद स्तरीय प्रदर्शनी (डी0एल0ई0पी0सी0) की संभावित तिथि घोषित की जा चुकी है।

सबसे अधिक 229 मॉडल्स लखनऊ जोन में होंगे शोकेश

11 जनपदों से सम्मिलित होंगे बाल वैज्ञानिक

संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मण्डल कार्यालय के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एन.आई.एफ.) द्वारा चयनित बाल वैज्ञानिकों के लिए बहुप्रतीक्षित जनपद स्तर की इस प्रदर्शनी के आयोजन हेतु क्रेंद्र सरकार के राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एन0आई0एफ0) ने पूरे प्रदेश को 8 जोन में बांटकर 20 से 26 नवम्बर 2023 तक जोनवार जनपद स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित कर राज्य स्तर की प्रदर्शनी के लिए बाल वैज्ञानिकों के चयन की अपेक्षा की गयी है,

जिसमे लखनऊ जोन में कुल 11 जनपदों से चयनित सबसे अधिक 229 छात्र– छात्राओं को सम्मिलित करते हुए 22 नवम्बर को जनपदीय प्रदर्शनी आयोजित करने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया है,जिसके लिए शिक्षा निदेशक (माध्यमिक व् बेसिक) डॉ महेन्द्र देव द्वारा सम्बंधित जनपदों के जिला विद्यालय निरीक्षकों को आवश्यक तैयारी करने के लिए निर्देशित किया गया है। डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ जोन के जनपद स्तरीय प्रदर्शनी में सम्मिलित 11 जनपदों से चयनित बाल वैज्ञानिकों की जनपदवार संख्या निम्नलिखित है–

1– लखनऊ जनपद से सर्वाधिक चयनित 104
2– बाराबंकी जनपद से 40
3– हरदोई जनपद से 32
4– सीतापुर से 18
5– उन्नाव से 10
6– लखीमपुर खीरी से 7
7– अमेठी से 5
8– रायबरेली से 4
9– फैजाबाद से 4
10– अम्बेडकरनगर से 4
11– सुल्तानपुर से 1

इस प्रकार लखनऊ जोन द्वारा आयोजित होने वाली जनपद स्तरीय प्रदर्शनी में कुल 229 बाल वैज्ञानिकों द्वारा अपने अपने नवाचारी माडल को शोकेश करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार द्वारा आयोजक जनपद लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक को एन आई एफ के सम्बंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए समय से उक्त प्रदर्शनी के आयोजन की आवश्यक तैयारी करने के लिए निर्देशित किया जा रहा है। डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2022–23 में प्रदेश से कुल 901 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ था जिसमे लखनऊ मण्डल से 6 जनपदों सीतापुर, लखीमपुर खीरी,उन्नाव,हरदोई,लखनऊ,रायबरेली से सर्वाधिक 175 बाल वैज्ञानिकों का चयन हुआ था और सभी चयनितों को प्रति माडल रुपये दस हजार प्रोत्साहन राशि के रूप में प्राप्त हुई थी,जिसकी सहायता से अब वो अपने अपने मार्गदर्शक शिक्षकध्शिक्षिका के मार्गदर्शन में नवाचारी माडल को मूर्त रूप देंगे। जनपद स्तर की उपरोक्त प्रदर्शनी के लिए चयनित छात्र छात्राओं के सबंधित प्रिंसिपल्स से निवेदन है कि बच्चों के माडल बनवाकर प्रदर्शनी के प्रतिभाग करवाने की तैयारी करना सुनिश्चित करें। डॉ0 दिनेश कुमार ने बताया कि इंस्पायर अवार्ड मानक योजना की प्रदर्शनी में जनपद स्तर की प्रदर्शनी में सम्मिलित होने वाले कुल प्रतिभागियों में से दस प्रतिशत छात्र छात्राओं का चयन सीधे राज्य स्तर की प्रदर्शनी के लिए कर लिया जाता है।डॉ दिनेश कुमार,मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी ने कहा कि इस योजना में मण्डल स्तर की प्रदर्शनी नहीं लगवाई जाती है,जनपद स्तर के बाद राज्य स्तरीय प्रदर्शनी करवाई जाती है, राज्य स्तर की प्रदर्शनी के बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी लगवाई जाती है।

'दिसंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु जनपद न्यायाधीश ने की जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देशन में जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह द्वारा 09 दिसंबर 2023 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण कराए जाने हेतु जनपद के प्रशासनिक एवं बैंक अधिकारियों के साथ मंगलवार को बैठक की गई। जनपद न्यायाधीश द्वारा प्रशासनिक व बैंक अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किये जाने पर बल दिया गया तथा जिला अग्रणी प्रबंध को ऋण संबंधी मामलों को प्री–लिटिगेशन स्तर पर निस्तारित कराने के लिए नोटिसोंध्सम्मनों का तामीला अधिक से अधिक संख्या में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से कराए जाने के संबंध में भी दिशा–निर्देश दिए गए। जिससे आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। उक्त बैठक में अपर जिला जजध्नोडल अधिकारी हेमेंद्र कुमार सिंह तथा अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुधाकर दुबे, नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय से प्रशासनिक अधिकारी दामोदर प्रकाश, जिला अग्रणी प्रबंधक अरविंद रंजन, यूनियन बैंक से मोहन लाल, इण्डियन बैंक आशुतोष मिश्रा व नगर पालिका कार्यालय से विद्या भूषण सिंह उपस्थित रहे।

वन स्टाप सेण्टर के सम्बन्ध में शिकायत एवं साक्ष्य प्रस्तुत करें:- उप जिलाधिकारी

'शिकायत एवं सूचना देने की पहचान गोपनीय रखी जायेगी- स्वाती शुक्ला'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' उप जिलाधिकारी स्वाती शुक्ला ने अवगत कराया है कि विगत दिनों जिलाधिकारी महोदय को जिला महिला चिकित्सालय में स्थित वन स्टाप सेण्टर में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अश्लीलता की शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें गम्भीर आरोप लगाये गये है।

उन्होने बताया कि इस प्रकरण की जांच हेतु जिलाधिकारी महोदय ने अधोहस्ताक्षरी को मो0नं0–9454416599, क्षेत्राधिकारी शिल्पी कुमारी मो0नं0–9454401483, डिप्टी कलेक्टेर प्रेरणा गौतम तथा जिला गन्ना अधिकारी की जांच समिति गठित की है। एसडीएम ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि जिला महिला अस्पताल में संचालित वन स्टाप सेण्टर के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की कोई शिकायत अथवा सूचना देने के साथ साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता है तो वह उक्त अधिकारियों के दूरभाष नम्बर अथवा कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है, शिकायत एवं सूचना देने की पहचान गोपनीय रखी जायेगी।

फसल अवशेष प्रबन्धन पर गोष्ठी का किया गया आयोजन

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' मा० राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा फसल अवशेषध पराली में आग लगाना दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। उसके तहत 02 एकड़ तक रू० 2500.00, 05 एकड़ तक रू0–5000.00 एवं 05 एकड़ से अधिक होने पर रू–15000.00 अर्थदण्ड का प्राविधान है। कहीं भी फसल अवशेषध्पराली की घटना न हो इसके लिए पुलिस विभाग, राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा प्रतिदिन संवेदनशील ग्रामों का भ्रमण किया जा रहा है तथा किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। आज विकास खण्ड बावन के ग्राम ऐजा फार्म में फसल अवशेष प्रबन्धन पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप बिल एण्ड मिलिन्डा गेट फाउण्डेशन, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि डोनाल्ड नाकारूमा एवं उनके तकनीकी सहयोगी सैबल पाउल एवं अर्श हाशमी गोष्ठी में उपस्थित रहे, जिसमें किसानों को फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण एवं भूमि को हो रहे नुकसान से जागरूक किया गया तथा किसानों को निःशुल्क वेस्ट डिकम्पोजर वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त उपरोक्त फाउण्डेशन के प्रतिनिधि द्वारा एफ०पी०ओ० कटियारी फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी द्वारा किये जा रहे पराली प्रबन्धन के कार्य का निरीक्षण किया गया। एफ०पी०ओ० कटियारी फार्मर प्रोड्यूसर द्वारा अवगत कराया गया कि पराली प्रबन्धन के तहत धान की कटाई कम्बाइन से कराने के उपरान्त उसे रेक से इकठ्ठा कर बेलर से पराली के बंडल बनाये जा रहे है। उपरोक्त एफ०पी०ओ० द्वारा पराली के बंडलों को हिन्दुस्तान पेट्रालियम कॉर्पोरेशन लि0 बदायू को आपूर्ति की जा रही है। श्री डोनाल्ड नाकारूमा द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु किये जा रहे कार्यो की सहारहना की। उप कृषि निदेशक ने किसानों से अपील की उपरोक्त की तरह अपने खेतों के फसल अवशेषध्पराली को बेलर की सहायता से बंडल बनाकर उक्त एफ०पी०ओ० को उपलब्ध कराये, जिससे पराली के बदले में धन प्राप्त हो सकेगा तथा आपकी आय में वृद्धि होगी और किसान को अपने खेत में फसल अवशेषध्पराली जलाने की नौबत नहीं आयेगी। उप कृषि निदेशक ने किसानों को पराली प्रबन्धन के बारे में बताया कि किसान भाई अपने खेत में फसल प्रबन्धन के कृषि यंत्रों का प्रयोग करके फसल अवशोध्पराली को खेत की मिट्टी मिला सकते है, जिससे मिटटी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। ष्पराली दो खाद लोष् अभियान के तहत ग्राम दुधिया विकास खण्ड की गौशाला में किसानों द्वारा 15 ट्राली पराली दान की गयीं, जिसके बदले में उन्हें गोबर की खाद प्राप्त करायी गयी। उक्त के अतिरिक्त ग्राम सबिरपुर विकास खण्ड बावन में वेस्ट डिकम्पोजर का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें किसानों को वेस्ट डिकम्पोजर के प्रयोग की पूरी विधि बतायी गयी। उप कृषि निदेशक ने बताया कि वेस्ट डिकम्पोजर की एक सीसी को 200 लीटर पानी एक ड्रम में मिलाएं उसमें 02 किलोग्राम गुड़ घोलकर किसी छायादार स्थान पर रखकर लकड़ी से सुबह–शाम घोले, जिससे 48 घण्टे में यह घोल तैयार हो जायेगा।

इस घोल का परालीध कूड़ा–करकट पर छिड़काव कर फिर पुनः आठ से दस दिन बाद परालीध्कड़े के ढेर को पलट कर छिड़काव करने से पराली सड़कर कम समय से अच्छी खाद तैयार हो जायेगी, जिसे कृषक अपने खेतों में खाद के रूप में प्रयोग कर सकेंगे। डा. नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक, श्री रामप्रकाश, खण्ड विकास अधिकारी, जिलाध अर्थ एवं संख्याधिकारी, श्री विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, सदर, प्रभारी, राजकीय कृषि बीज भण्डार, बावन, क्षेत्रीय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहें।

इंस्पेक्टर विद्यासागर पाल के नेतृत्व में पचदेवरा पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जनपद हरदोई में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक हरदोई के कुशल निर्देश मे चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (पव) के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी शाहाबाद के मार्ग दर्शन व प्रभारी निरीक्षक पचदेवरा विद्यासागर पाल के लगातार कुशल नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारन्टी अभियुक्त राविन्द्र पुत्र शहजादे निवासी ग्राम बराकांट नगर थाना पचदेवरा जनपद हरदोई को गिरफ्तार किया गया अभियुक्त उपरोक्त को सम्बन्धित माननीय न्यायालय हरदोई के समक्ष पेश कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक नरेन्द्र कुमार कांस्टेबल शिवम चौधरी थाना पचदेवरा जनपद हरदोई शामिल रहे।

नियमानुसार नीलामी प्रकिया पूर्ण कर वाहनो को नीलाम किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। जिला अधिकारी द्वारा गठित टीम द्वारा थाना पचदेवरा के 03 अदद वाहन 1. मो0सा0 टीवीएस स्पोर्ट नं. क्स85 5064 2. टैम्पो नं. न्च77ज्2308 3. मारूती वैन नं. न्च78ळ0976 को व्यापक प्रचार प्रसार के उपरान्त नियमानुसार निलामी प्रकिया पूर्ण कर वाहनो को निलाम किया गया तथा प्राप्त धनराशि को ट्रेजरी हरदोई मे जमा कराया जायेगा । थाना पचदेवरा पर शेष वाहनो का भी माननीय न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर नियमानुसार निलामी की जायेगी।

नौ को जिला प्रशासन को अपनी मांग सौपेगा ट्रस्ट के सदस्य - सत्यभान सिंह

अयोध्या। भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी जिला प्रशासन व नगर निगम प्रशासन की उदासीनता की कटु निंदा करते हुए कहा कि आज पूरे नगर व जिले में डेंगू जैसी महामारी से आम जनता पीड़ित है।इस समय डेंगू जैसी गंभीर बीमारी से लोगों की जान जा रही है।परंतु इस गंभीर मुद्दे पर कोई सुनने वाला आम जनता का नही है।प्रशासन को इतनी सुध नही है कि आज जिस जनता के लिए अरबो रुपये फूंके जा रहे है जब वही नही रहेंगे तो कौन देखेगा ये सब उसत्व।जिला चिकित्सालय में डेंगू का समुचित इलाज नही है अस्पताल में लूट व लापरवाही मची हुई है।जिला प्रशासन से मांग की जाती है तत्काल इसके रोक के लिए टीम लगाए।इस गंभीर मुद्दे पर 9 नवम्बर को ट्रस्ट का 9 सदस्यीय प्रतिनिध मंडल जिला प्रशासन से मिलकर डेंगू के रोकथाम की मांग करेगा।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।